उद्योग वाले हैं, जैसे जाली और पाइप आदि का जो काम करते हैं, उनके लिए मेरा आग्रह है कि उनको सीमेन्ट का कोटा लाबो सीमेन्ट में देने की कृपा करें।

REFERENCE TO THE ALLEGED SETTING ON FIRE OF THE HOUSE OF ONE BHANARAM IN VILLAGE KUMASPUR IN DISTRICT SONEPAT OF HARTANA BY LANDLORDS

श्री शांति त्यागी (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, लोक महत्व के जिस प्रश्न और घटना पर मैं आपका और सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं वह इस प्रकार है कि हरियाणा स्टेट में एक गांव कुमासपुर, सोनीपत जिले में है। इसमें एक गरीब, निर्बल वर्ग के परिवार, जिसका मुखिया भानाराम है, उसने पिछले संसदीय चुनाव में लोकदल के उम्मीदवार को वोट नहीं दिया था। लोकदल के समर्थक जो वहां के स्थानीय लोग थे, उनके बार-बार धमकाने पर भी उसने लोकदल के उम्मीदवार को वोट देने से इंकार किया। इसका नतीजा यह हुआ कि जो शक्तिशाली जमींदार वर्ग वहां का था, उसने 4 अप्रैल की रात्रि को भानाराम के घर पर हमला बोल दिया। जो समाचार दैनिक हिन्दुस्तान में छपा है, उसकी इस करुण-कहानी को आप स्वयं भानाराम की जुबानी सुनें। भानाराम का कहना है कि :

"चार अप्रैल की रात को जब मैं अपने परिवार के साथ खाना खा रहा था तो अचानक कुछ लोगों ने मेरे मकान पर हमला किया। इन लोगों ने मेरी व मेरे परिवार के लोगों की जम कर पिटाई की। मेरी गर्भवती बहु को भी पीटा। इतना ही नहीं एक-एक साल के छोटे-छोटे बच्चों को जमीन पर दे मारा। उसके बाद घर में आग लगा दी। जब पुलिस को किसी ने इत्तला दी तो पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद कोई कार्यवाही नहीं की अपितु दो दिन बाद इन लोगों ने मेरे मकान पर कब्जा कर मेरे पशु भी छीन लिये,"

भाना राम का यह आरोप है कि उसके मकान को छीनने के बाद उसकी काश्त की जमीन पर लगे पेड़ों को भी नीलाम कर दिया गया है और जमीन पर कब्जा कर लिया है। भानाराम का कहना है कि गांव में हरिजनों और पिछड़ी जातियों का रहना मुश्किल है। श्रीमान् मैं आपका टाइम जाया न करते हुए यह कहना चाहता हूं कि अगर हमारे देश में यह आकस्मिक कोई घटना होती या एकमात्र घटना होती, आप स्वीकार करेंगे कि हमारे देश के आन्तरिक हिस्सों में विशेष रूप से उत्तर भारत में खास तौर से उत्तर प्रदेश में निर्बल वर्गों और हरिजनों की अल्पसंख्यकों के वोटों को रोकने के लिये उनके जो बूथ बने हुए हैं उन पर जबरिया ताकतवर लोग देहात में कब्जा करते हैं और निर्बल वर्ग के भाइयों और बहनों को वे वोट डालने के अधिकार से वंचित करते हैं। इत्तेफाक से मैं मेरठ का रहने वाला हूं। मुझे इस बात का सौभाग्य है कि हमारे देश के चन्द रोजा एक प्रधानमंत्री श्री चरण सिंह जी भी उसी जिले के रहने वाले हैं, निवासी हैं। जहां मुझे सौभाग्य है वहां दुर्भाग्य की बात है कि जैसी घटना सोनीपत हरियाणा में या कहीं बिहार में घटी है जिसका उल्लेख मैंने किया है, ऐसी घटनाओं की श्रृंखला पिछले चुनावों में विधान-सभा के चुनाव हुए, उससे पहले पार्लियामेंटरी इलैक्शन में वहां देखने में आई। जहां पर मेरा निवास-स्थान है मेरे अपने निवास-स्थान जहां पीछे ग्राम पंचायतों के चुनाव हुए हैं लोक-दल के मारे हुए गरीब आदमी जिनको वोट के अधिकार से वंचित किया गया जिन्होंने मत-पत्र कभी

[श्री शांति त्यागी]

अपनी जिन्दगी में देखा नहीं और पोलिंग बूथ में जाकर देखा नहीं, जिनको पता ही नहीं है कि बक्से में राय कैसे डाली जाती है उन्होंने देखा तक नहीं, आज वे मेरे घर पर डेरा डाले हुए हैं। इसलिये मैं समझता हूं कि यह जो घटना हुई है इससे हमारी डेमोक्रेसी पर एक कलंक आता है। विदेशों में भी इसकी चर्चा होती है। मान्यवर, देहात में गरीबी-अमीर की बीच जो सामाजिक तनाव बढ़ रहा है उसमें इजाफा होता है और गरीब आदमी इस बात को आज 35 वर्ष की आजादी के बाद भी अभी रोटी की कमी है और बहुत सी चीजों की भी कमी है मगर जो हमारा संवैधानिक अधिकार है वोट डालने का अपनी आजाद वोट डालने का उससे भी हम वंचित रह जायें इससे एक सामाजिक कनफ्रंटेशन की भूमिका तैयार हो रही है और मैं समझता हूं कि इस के बारे में सदन

REFERENCE TO THE ALLEGED THREATS TO SOME NEWSPAPER CORRESPONDENTS FOR CRITICISING THE GOVERNMENT IN MAHARASHTRA

SHRI ARVIND GANESH KUL-KARNI (Maharashtra): Sir, through you I draw the attention of the Government to a news item emanating from Nagpur which is causing a great anxiety. And you also, perhaps, as a member of the Press Council, must be feeling the same thing. And that is about increasing attacks on newspaper reporters and correspondents if at any time any political view is expressed which is not liked either by the Chief Minister or the political bosses of that area. This is a Marathi daily, called *Lok Mat* of Nagpur and one Mr. Vijay Dardahas written— it might be his views or his father's views; I am not going into that; I will deal with it separately. He **has** now sought immediate intervention of the Press Council of India and the Union Information Minister to ensure freedom of the press in Maharashtra. The matter is like this. Lok Mat editions were being distributed through a tempo, and the tempo was attacked by some hooligans, and it is claimed that they were engaged by the supporters of the Chief Minister. They also burnt the effigy of Mr. Jawaharlal Darde. It is not only in Maharashtra. Perhaps, you are aware that the same thing is in Bihar. Bihar Government has issued guidelines whereby the press freedom is throttled.

And this has come into the way o£ giving advertisements to the Press. The same is the case in Andhra Pradesh. My friend, Mr. Chandra-sekara Reddy, is not here. His 'Deccan Chronicle' was subjected to the same treatment by the previous Chief Minister, Mr. Anjiah. The same is the case in Madhya 'Pradesh. Very recently ,a correspondent was beaten. I would like to draw your attention; particularly, you should advise Mr. Sathe, the Information Minister. This is a very serious problem. This is a very serious manifestation of what you call the deep malaise of the Indian political body. If the Press is going to be gagged like this, if the reporters are going to be beaten like this, because they publish such adverse views, what will happen? This is not the way. There are other avenues open like the Press Council or whatever legal forums are there. That is why, I would request you, Sir. This is a very serious matter. This may be happening in Maharashtra or Bihar or Andhra Pradesh or Karnataka. Everywhere, this political bossism has to be disciplined. Sir, why should I draw your attention to Maharashtra particularly? You, Sir, perhaps come from my State. Such things are...

SHRI MURLIDHAR CHANDRA-KANT BHANDARE (Maharashtra): Not perhaps. He comes...